

प्रतिभागियों के विचार.../Participants Speak...



The workshop on 'Orientation on New Textbooks of Class 5' from 15 to 17 April 2026 was informative and well organized. It gave me a clear understanding of NCF SE 2023 and its focus on Competency-based and activity-based learning. The sessions were very interactive and useful strategies to transact the new textbooks of Class 5 were discussed in an effective manner. The group activities and discussions helped in sharing ideas and learning from others. Overall, the workshop was quite enriching and will positively impact my classroom practices.

Shri. Abhishek Prajapati, PRT, PM SHRI KV Burdwan (Kolkata Region)

'आधारभूत और प्रारम्भिक चरणों में आंदमय शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण पद्धतियाँ पविशे पर दिनांक 20 से 24 अप्रैल 2026 तक आयोजित 05-दिवसीय कार्यशाला में साक्षरता और संख्यात्मकता विकास पर विशेष बाल दिया गया। बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए खेल-आधारित और गतिविधि-आधारित शिक्षण विधियों पर सत्र आयोजित किए गए। इस कार्यशाला से यह स्पष्ट हुआ की प्रारम्भिक शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों को नवीन और छात्र-केंद्रित शिक्षण विधियों को अपनाने की आवश्यकता है। यह कार्यशाला प्राथमिक शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई।

श्रीमती पिकी लता गौतम, प्राथमिक शिक्षिका, परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, नरोरा



The workshop for TGTs (Social Science) of AECS on 'Enhancing Social Science Teaching through Competency Based Learning Approach' from 20 to 24 April 2026 organized by ZIET, Bhubaneswar was a highly enriching and insightful experience. It provided us an excellent platform to enhance our teaching skills and update our knowledge in line with the modern educational practices as per NEP 2020. The sessions were well organized and covered wide range of relevant topics such as NCF SE 2023, Competency Based learning and assessment, learning outcome based lesson planning, Experiential learning, integrated learning approach, Art Integrated learning, ICT etc. The Resource Persons were knowledgeable, approachable and encouraged active participation making the sessions meaningful.

Shri. Padmanava Naik, TGT (S.Sc.), Atomic Energy Central School, Kakrapar

'कक्षा 8 की नई गणित पाठ्यपुस्तक का उन्मुखीकरण और शिक्षण क्रियाकलाप' पर 28 से 30 अप्रैल 2026 तक आयोजित कार्यशाला में भाग लेना मेरे लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य केवल नए पाठ्यपुस्तकों को समझना ही नहीं, गणित जैसे विषय को अनुभवजन्य शिक्षण के माध्यम से छात्रों के लिए रुचिकर बनाना भी था। इस कार्यशाला के सत्रों से यह स्पष्ट हुआ की गणित सिर्फ एक विषय ही नहीं एक कला भी है। यह कार्यशाला हम सभी प्रतिभागियों के लिए बौद्धिक ऊर्जा की तरह रही। कार्यशाला के निदेशक, संसाधकों और समन्वयक का हृदय से आभार।

श्रीमती प्रीति रानी, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका (गणित), के वि लॉगडींग, तिनसुकिया संभाग



'व्यवसायिक अध्ययन में रणनीतिक सामग्री विकास और उच्च-प्रभाव वाले संसाधनों का निर्माण' पर 11 से 15 मई 2026 तक आयोजित कार्यशाला अत्यंत प्रेरणादायक और उपयोगी रही। इस कार्यशाला में आयोजित विभिन्न सत्रों से शिक्षण की नवीन तकनीकों, सक्रिय अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षण तथा विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने के प्रभावी तरीकों की जानकारी प्राप्त हुई। विशेष रूप से विषय-वस्तु को रोचक एवं विद्यार्थियों के अनुकूल बनाने हेतु डिजिटल संसाधनों और आकलन की विधियों पर चर्चा अत्यंत लाभकारी रही। कार्यशाला के समस्त संसाधकगणों द्वारा विषय को सरल, व्यावहारिक एबम प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

श्री सुधीर कुमार सिन्हा, स्नातकोत्तर शिक्षक (गणितीय), के वि किरिपु, अमेरिगाग (गुवाहाटी संभाग)



प्रतिभागियों के विचार.../Participants Speak...



The workshop on 'Enhancing efficiency & accuracy in Office Accounts and Procedures' from 03 to 05 June 2026 at ZIET Bhubaneswar was well planned, informative and highly relevant to our day-to-day responsibilities in the Vidyalaya office. I would like to specially appreciate the Resource Persons who explained complex rules and procedures in a simple and practical manner. The examples shared during the sessions made concepts easier to understand and apply in our work place. The topics dealt during the workshop will certainly help me improve my efficiency, accuracy and confidence while performing official duties. The workshop has not only strengthened our technical knowledge but has also motivated us to maintain high standards of professionalism, accountability and transparency in office administration.

Shri. Kundan Kumar, SSA, KV No.2 Imphal (Tinsukia Region)

In the 02 days' workshop organized by ZIET Bhubaneswar on the topic "Librarian as Pioneer in developing 21st Century skills among Students" on 24 and 25 June 2026, all the sessions were designed, prepared and delivered in a beautiful manner. It was a great learning experience where subject experts, learned and experienced librarians introduced, defined and described the concept in an elegant manner. Their valuable suggestions made the learning a little easier. We learnt the concept of 21st century skills in great detail. Peer learning also took place through this workshop as Librarians from different regions gave their valuable inputs in the discussion. Overall it was an amazing experience and great learning opportunity for all the participants.

Mr. Mehboob Ahmad, Librarian, PM SHRI KV NO 2 Itanagar (Tinsukia Region)



योग अपनाएँ

जीवन को स्वस्थ, संतुलित और सफल बनाएं

"योग: कर्मसु कौशलम्"

आइए, योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

शिक्षकों के लिए योग के लाभ

- तनाव कम करता है मानसिक शांति और सकारात्मकता बढ़ाता है।
- एकाग्रता और निर्णय क्षमता बढ़ाता है शिक्षण कार्य में दक्षता लाता है।
- ऊर्जा और सहनशक्ति बढ़ाता है दिनभर सक्रिय और उत्साही बनाए रखता है।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है स्वस्थ शरीर, लंबी और उत्पादक सेवा के लिए सहायक।
- धैर्य, सहानुभुति और व्यवहार में सुधार छात्रों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने में मदद।

छात्रों के लिए योग के लाभ

- एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ाए पढ़ाई में मन लगता है और परिणाम बेहतर होते हैं।
- शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार लचीलेपन, शक्ति और संतुलन बनाए रखता है।
- तनाव और चिंता कम करे मन को शांत और भावनाओं को संतुलित रखता है।
- रोगों से बचाव प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है।
- आत्मविश्वास और अनुशासन बढ़ाए व्यक्तिगत विकास और जीवन में सफलता की राह दिखाए।

योग करें प्रतिदिन, स्वस्थ रहें, खुश रहें, उत्तम शिक्षण-उत्तम अधिगम की ओर बढ़ें।

ताड़ासन
शरीर को सीधा और लचीला बनाता है।

भुजंगासन
रीढ़ की हड्डी मजबूत करता है।

वृक्षासन
संतुलन और एकाग्रता बढ़ाता है।

प्राणायाम
फेफड़ों को मजबूत करता है, मन को शांत करता है।

शवासन
तनाव दूर करता है, गहरी विश्रांति देता है।

योग अपनाएँ – स्वस्थ भारत, श्रेष्ठ भारत का निर्माण करें।

योग है संस्कृति | योग है अनुशासन | योग है जीवन की कला

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून